यहां एक प्रसिद्ध गुफा है, जो कथित तौर पर 1,500फीट लम्बी है। स्थानीय जनजातीय समुदाय के भक्त एवं पुजारीगण इन्हीं पहाड़ियों में रह कर सेवा कार्य करते आ रहे हैं, परन्तु वन विभाग द्वारा इसे अपनी वन-सीमा के अंदर समाहित कर लेने के कारण, वहां पर किसी निर्माण कार्य की अनुमति नहीं है। इसके फलस्वरूप पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ उच्च पर्यटन संभावनाओं से युक्त होने के बावजूद, वहां पर आधारभूत संरचनाओं और सुविधाओं की कमी है।

महोदय, मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस महत्वपूर्ण स्थल को वन-सीमा से मुक्त करने की कृपा की जाए। यह मन्दिर हनुमान जी की जन्मस्थली माना जाता है, उसी के आधार पर भक्तगण पूजन-अर्चन करने के लिए वहां पहुंचते हैं। मैं पुनः सरकार से मांग करता हूं, वन विभाग से मुक्त करवाने के बाद ही वहां भक्तों के लिए सुविधा-व्यवस्था बनाई जा सकती है, धन्यवाद।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Dr. L. Hanumanthaiah; not present. Shri K. R. N. Rajeshkumar; not present. Shri Phulo Devi Netam; not present. Dr. Amee Yajnik; not present. Shri Sukhendu Sekhar Ray; not present. Shrimati Darshana Singh.

Need to create awareness about importance and health benefits of millets in the wake of 'International Year of Millets-2023'

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देना चाहती हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया। आज मैं पहली बार सदन में बोल रही हूं।

माननीय उपसभापति जी, मानव-जीवन के प्रारम्भ से ही खाद्य सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण माना गया है। अभी हाल में कोरोना काल में पूरे विश्व को खाद्यान्न समस्या का सामना करना पड़ा, लेकिन मैं इस बात के लिए भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री जी को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने भारत के 80 करोड़ गरीब भाई-बहनों को 'प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत अनाज उपलब्ध कराने का काम किया। यह कार्य अभी तक जारी है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने की रणनीति, माननीय प्रधान मंत्री जी का एक दूरदर्शितापूर्ण कदम है। आज विश्व के कई देश मोटे अनाज को सुपर-फूड के रूप में स्वीकार कर चुके हैं। भारत में प्राचीन काल से ही मोटे अनाज का उत्पादन एवं उपयोग होता रहा है।

माननीय उपसभापति जी, मुझे यह बताने में खुशी हो रही है कि माननीय प्रधान मंत्री जी की प्रेरणा से, भारत की पहल पर, संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष' घोषित किया है और भारत की इस पहल का 72 देशों ने समर्थन किया है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने की सरकार की नीति अत्यंत सराहनीय है। भारत मोटे अनाज का सबसे अधिक उत्पादन करने वाला देश है। मोटे अनाज के कुल वैश्विक उत्पादन का 20 प्रतिशत उत्पादन भारत ही करता है। मोटे अनाज स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होते हैं, क्योंकि इनमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसके अलावा, इसकी खेती में कम पानी की खपत होती है, इसलिए पोषण के साथ-साथ इससे किसानों को आर्थिक लाभ भी होता है। मोटे अनाज के उत्पादन में वृद्धि के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने से उनकी आर्थिक स्थिति मज़बूत होगी और कृषि को लाभ का धंधा बनाने का हमारा सपना भी पूरा होगा। माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करना चाहती हूं कि खाद्य सुरक्षा तथा पोषण के प्रति मोटे अनाज की उपयोगिता को लेकर सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और रचनात्मक जनभागीदारी में वृद्धि की जाए।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करती हूं, धन्यवाद।

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

Children falling into open borewells in the country

सुश्री कविता पाटीदार (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, आपने शून्यकाल में मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद प्रेषित करती हूं। मैं पहली बार सदन में बोल रही हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार और सदन का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहती हूं। पूरे देश में ट्यूबवैल और बोरवैल के गड्ढों में गिरने के कारण न